ज्ञानविविधा

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

अनुक्रमणिका

1.	The Role of Translation in Preserving and Promoting Indigenous Languages and Cultures: A Case Study of Regional Indian Literature	Amrendra Kumar Thakur	01-08
2.	शंखनाद : मानवीय जिजीविषा एवं संघर्ष की महागाथा	डॉ. उमेश कुमार शर्मा	09-13
3.	डॉ. लोहिया का भाषा- संबंधी चिंतन	भोला दास	14-19
4.	अयोध्या में जैन एवं बौद्ध धर्म	डॉ. इष्टदेव ओझा	20-23
5.	लोकनायक जयप्रकाश नारायण और सम्पूर्ण क्रान्ति	डॉ. सुबोध झा	24-29
6.	बिहार में ग्रामीण पर्यटन का महत्व मिथिला क्षेत्र के विशेष संदर्भ में	डॉ. रमण कुमार ठाकुर	30-34
7.	स्वामी विवेकानंद की संगीत - कलापरक दृष्टि	गौरीशंकर वैश्य विनम्र	35-37
8.	हिंदी साहित्य एवं नामवर सिंह की आलोचना पद्धति	डॉ. गोवर्धन लाल डांगी	38-40
9.	उर्दू अल्फ़ाज़ और नुक़्ते का प्रयोग	सीताराम गुप्ता	41-46
10.	चार पैसे क्यों जरूरी	गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू'	47-48
11.	दक्षिणेश्वरी महाकाली- हरदासीपुर	अंकुर सिंह	49-53
12.	महाब्राह्मण में लेखक की भारी चूक	डॉ. कल्पना दीक्षित	54-58
13.	चोल काल और मंदिर	Dr. R. Ramesh Kumar	59-61